वेटलैंड सिटी

हाल ही में केन्द्र सरकार ने पहले वेटलैंड सिटी एक्रिडिटेशन के लिए मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल और इंदौर और राजस्थान के उदयपुर शहर का नाम शामिल किया है।

- केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने इन तीनों शहरों को वेटलैंड घोषित करने का प्रस्ताव स्विट्जरलैंड रामसर संस्था को भेजा है।

तीन नामांकित शहर

1 भोपाल में रामसर साइट, भोज वैटलैंड (2002)

- भोज आर्द्रभूमि दो झीलों का निर्माण करती हैं, जो मध्य भारत के शहर भोपाल में राज्य की राजधानी के निकट स्थित है।
- आधुनिक भोपाल की स्थापना दोस्त मोहम्मद खान द्वारा की गई थी।

2 इंदौर में रामसर साइट- सिरपुर झील (2022)

- इंदौर की स्थापना होल्कर द्वारा की गई थी। (क्षेत्र - 161 हेक्टेयर)

3 उदयपुर में 5 प्रमुख आर्द्रभूमि क्षेत्र- पिछोला, फतेह सागर, रंग सागर, स्वरूप सागर और दूध तलाई है।

- इसे आर्द्रभूमियों के शहर की संस्कृति और पहचान का एक अभिन्न अंग बनाते है।
- उदयपुर की स्थापना महाराणा उदयसिंह द्वितीय ने की।

वेटलैंड सिटी प्रमाणन (WCA)

- यह एक स्वैच्छिक वेटलैंड सिटी प्रमाणन प्रणाली है।
- इसे रामसर कन्वेंशन के वर्ष 2015 में आयोजित COP12 के दौरान मान्यता मिली थी।
- यह उन शहरों को मान्यता देता है जिन्होंने अपने शहरी आर्द्रभूमि क्षेत्र की सुरक्षा के लिए असाधारण काम किया।
- **उद्देश्य:** शहरी और पेरी-शहरी आर्द्रभूमि के संरक्षण और इसके उपयोग को बढ़ावा देना है।
- हाल ही में 17 देशों के 43 शहरों को आधिकारिक तौर पर वेटलैंड सिटीज के रूप में मान्यता दी गई है।
- अभी तक भारत का कोई भी शहर इसका हिस्सा नहीं है।

आदित्य-L1

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है।
- सोलर मिशन के तहत इसरो की ओर से भेजे गए आदित्य- L1 हाल ही में अपने गंतव्य स्थान एल-1 प्वाइंट पर पहुंच गया है।
- 15 लाख किलोमीटर दूर से आदित्य सैटेलाइट सूरज की स्टडी अगले पांच साल तक करता रहेगा।
- सूर्य का अध्ययन करने के लिये समर्पित पहली भारतीय अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला, आदित्य -L1 को सितंबर 2023 में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से PSLV-C57 रॉकेट का उपयोग करके लॉन्च किया गया था।
- लैग्रेंज बिंदु अंतरिक्ष में स्थित वे स्थान हैं जहाँ दो विशाल पिंडों (जैसे- सूर्य और पृथ्वी) का गुरुत्वाकर्षण बल एक छोटी वस्तु (जैसे- अंतरिक्ष यान) के स्थान पर बने रहने के लिये अभिकेंद्रीय बल को संतुलित करता है।
- आदित्य-L1 में प्रकाशमंडल (सूर्य की प्रत्यक्ष सतह), क्रोमोस्फीयर (प्रकाशमंडल तथा कोरोना के बीच की दूसरी परत) एवं कोरोना (सूर्य की सबसे बाह्य परत) का निरीक्षण करने हेतु सात पेलोड मौजूद हैं।
- इन पेलोड का उद्देश्य कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, अंतरिक्ष मौसम की गतिशीलता एवं कण व क्षेत्र प्रसार पर महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना है।

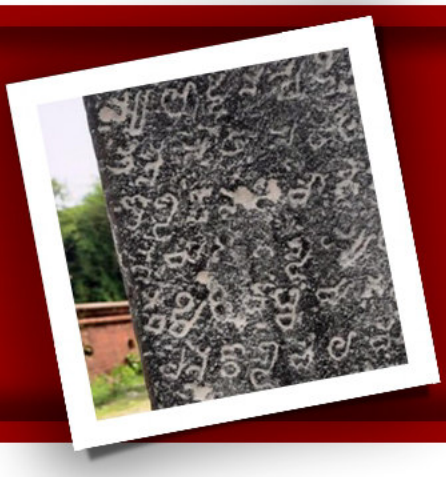

10वीं सदी का कदंब शिलालेख

- हाल ही में दक्षिणी गोवा के काकोडा में महादेव मंदिर में कन्नड़ और संस्कृत में लिखा एक शिलालेख खोजा गया है।
- इस शिलालेख को 10वीं शताब्दी के कदंब काल का बताया जा रहा है।
- इस शिलालेख पर पैराग्राफ की शुरुआत एक अद्भुत वाक्य 'अच्छा रहो' अर्थात् 'स्वस्थि श्री' (Swasthi Shri) के साथ शुरु होती है।
- इस शिलालेख में तलारा नेवैया द्वारा अपने बेटे गुंडय्या की मृत्यु के बारे में कूटबद्ध किया गया है।
- यह तत्कालीन दौर के जयसिम्हा प्रथम के तलंग्रे शिलालेख की साहित्यिक शैली में है।
- एपीग्राफ (किसी इमारत, मूर्ति या सिक्के पर एक शिलालेख) 10वीं शताब्दी ईसवी के कन्नड़ और नागरी अक्षरों में उत्कीर्ण है तथा गोवा के कदंबों से संबंधित है।
- गोवा के कदंब मयूरशर्मा (बनवासी के कदंब साम्राज्य के संस्थापक, 345-365 ईसवी) के वंशज हैं।
- गोवा के कदम्ब कल्याण प्रथम के चालुक्यों के अधीनस्थ थे।

- चालुक्य राजा तैलप द्वितीय ने राष्ट्रकूटों के विरुद्ध सहायता के पुरस्कार के रुप में कदंब शास्त्रदेव को गोवा का महामंडलेश्वर नियुक्त किया था।
- कदम्ब शास्त्रदेव ने बाद में शिलाहारों से चंद्रपुर शहर पर विजय प्राप्त की और 960 ई. में गोवा कदंब राजवंश की स्थापना की।
- राजधानी· चंदोर, जिसे पहले चंद्रपुर के नाम से जाना जाता था। इस राजवंश की राजधानी और एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह था।

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

RESULT MPPSC 2019

परंपरा बरक़रार

Rank 1 — DEPUTY COLLECTOR

Priya Pathak

Rank 2 — DEPUTY COLLECTOR
Shivangi Baghel

Rank 3 — DEPUTY COLLECTOR
Pooja Soni

DEPUTY COLLECTOR

Saurabh Mishra

Saloni Agrawal

Reetika Patidar

Ashutosh Thakur

Simmi Yadav

Sumesh Dwivedi

Vikas Kemor

Naveen Singh Thakur

Purva Mandloi

Manjusha Khatri

DSP

Lalit Bairagi

Shiva Pathak

Shaifa Hashmi

Masum Patle

Ashutosh Tyagi

Amit Bardiya

Divya Jhariya

200+ SELECTIONS

MPPSC (Pre + Mains)
1 Year Offline New Batch
Starting from 15th January.
Enroll Now - 9425068121, 9893929541

MPPSC Pre & Mains
Online Classes & Test Series
Join करने के लिए डाउनलोड करें
हमारी एप्लीकेशन,
या कॉल करें - 9111010991, 6262988888